StudentSuvidha.com

92217

B.Sc. 4th Semester (New Scheme) Examination, May–2016

SANSKRIT

Compulsory

Time allowed : 3 hours] *[Maximum marks : 40*

प्रश्नों के उत्तर देने से पहले परीक्षार्थी यह सुनिश्चित कर लें कि उनको पूर्ण एवं सही प्रश्न पत्र दिया गया है। परीक्षा के उपरान्त इस सम्बन्ध में कोई भी शिकायत नहीं सुनी जाएगी।

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य है।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** श्लोकों का सरलार्थ कीजिए : 2×5=10

(क) दण्डः शास्ति प्रजाः सर्वा दण्ड एवाभिरक्षति।
दण्डः सुप्तेषु जागर्ति दण्डं धर्मं विदुर्बुधाः।।

(ख) प्रजहाति यदा कामान्सर्वान्पार्थ मनोगतान्।
आत्मन्येवात्मना तुष्टः स्थितप्रज्ञस्तदोच्यते।।

(ग) दुर्जनस्य च सर्पस्य वरं सर्पो न दुर्जनः।
सर्पः दशति काले तु दुर्जनस्तु पदे-पदे।।

(घ) दूरस्थोऽपि समीपस्थो यो यस्य हृदि वर्तते।
यो यस्य हृदये नास्ति समीपस्थोऽपि दूरगः।।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो गद्यांशों का सरलार्थ कीजिए : 2×5=10

(क) एकत्र वृक्षे काकवर्त्तकौ सुखं निवसतः। एकदा भगवतो गरुडस्य यात्राप्रसंगेन सर्वे पक्षिणः समुद्रतीरङ्गताः। ततः काकेन सह वर्त्तकश्च चलितः। अथ गच्छतो गोपालस्य मस्तकावस्थितदधिभाण्डाद्वारं वारं तेन काकेन दधि खाद्यते। यतो यावदसौ दधिभाण्डं भूमौ निधायोर्ध्वमवलोकते, तावत्तेन काकवर्त्तकौ दृष्टौ। ततस्तेन दृष्टः काकः पलायितः। वर्त्तकः स्वभाव-निरपराधो मन्दगतिस्तेन प्राप्तो व्यापादितः।

Download Study Material from StudentSuvidha.com

(ख) कुक्करो ब्रूते- 'भद्र, मम नियोगस्य चर्चा त्वया न कर्त्तव्या। त्वमेव किं न जानासि यथा तस्याहर्निशं गृहरक्षां करोमि। यतोऽयं चिरान्निर्वृतो ममोपयोगं न जानाति तेनाधुनापि ममाहारदाने मन्दादरः। यतो विना विधुर दर्शनं स्वामिन उपजीविषु मन्दादरा भवन्ति।

(ग) पुरा दैत्यौ सहोदरौ सुन्दोपसुन्दनामानौ महता कायक्लेशेन त्रैलोक्यराज्य-कामनया चिरात् चन्द्रशेखरमाराधितवन्तौ। ततस्तयोर्भगवान् परितुष्टः सन् 'वरं वरयतम्' इत्युवाच। अनन्तरं तयो कण्ठाऽधिष्ठितायाः सरस्वत्याः प्रभावात्रावदन्यद् वक्तुकामौ अन्यदभिहितवन्तौयद्यावयोः भवान्परितुष्टः तदा स्वप्रियां पार्वतीं परमेश्वरो ददातु।

(घ) चटका प्राह- 'अस्त्वेतत्। परं दुष्टगजेन मन्दामम सन्तानक्षयः कृतः। तद्यपि मम त्वं सुहृत्सत्यस्तदस्य गजापसदस्य कोऽपि वधोपायश्चिन्त्यताम् यस्यानुष्ठानेन मे सन्ततिनाशदुःखमपसरति। काष्ठकूट आह-भगवति ! सत्यमभिहितं भवत्या।

3. राजन् अथवा युष्मद् में से किसी **एक** शब्द के सम्पूर्ण रूप लिखिए। 1×5=5

4. दा (यच्छ्) अथवा कृ में से किसी **एक** धातु के पाठ्यक्रमानुसार पाँचों लकारों में सम्पूर्ण रूप लिखिए। 1×5=5

5. अधोलिखित वाक्यों में से **पाँच** का संस्कृत में अनुवाद कीजिए: 2×5=10

(i) भारत मेरा देश है।

(ii) विद्या बिना ज्ञान नहीं होता।

(iii) पवन खेलता है।

(iv) मैं विद्यालय जाती हूँ।

(v) पिता पुत्र के साथ जा रहा है।

(vi) सैनिक देश की रक्षा करता है।

(vii) कक्षा में बीस छात्र हैं।

(viii) मोर नाचता है।

(ix) रमा गीत गाती है।

(x) बालक दौड़ रहा है।

StudentSuvidha.com
Download Study Material from StudentSuvidha.com